

## थारी काई छः मंशा थारे काई छः विचार

हार गयो जी मैं तो विनती कर के  
पड़ी नही कान्हा भंकार सुनियो जी माहरा लखदातार  
थारी काई छः मंशा थारे काई छः विचार

मैं दुखिया चैन न घडी को  
थे तो जानो सारी सार सुनियो जी माहरा लखदातार  
थारी काई छः मंशा थारे काई छः विचार

या से आ भी नाही छानी,  
छे नही माहरो और आधार सुनियो जी माहरा लखदातार  
थारी काई छः मंशा थारे काई छः विचार

देर करो थाणे जितनी करनी,  
सुन नी पड़ सी करूँ पुकार सुनियो जी माहरा लखदातार  
थारी काई छः मंशा थारे काई छः विचार

म्हारे लाभ थारे ढील घनी है  
बेगा आवो नही करो अंवार,  
सुनियो जी माहरा लखदातार  
थारी काई छः मंशा थारे काई छः विचार

आलू सिंह जी थारो ध्यान लगावे रोज करे थारो शिंगार  
सुनियो जी माहरा लखदातार  
थारी काई छः मंशा थारे काई छः विचार

दास जान जगदीस चरण को भव सागर से करो पार  
सुनियो जी माहरा लखदातार  
थारी काई छः मंशा थारे काई छः विचार

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17702/title/thaari-kaai-che-mansha-thaare-kai-che-vichar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |